आई0एम0ई0 ग्रुप ऑफ कालिज, साहिबाबाद, गाजियाबाद

दिनांक–01.01.2019

श्री/श्रीमति_____

पता /_____

_____

आपकेपुत्र/पुत्री_____Course_____Batch_____

के सम्बन्ध में उसके उज्जवल भविष्य हेतु कृपया घ्यान दें :

महोद्य /महोदया,

आपके वार्ड के भविष्य को सवांरने में आई0एम0ई0 कॉलिज तभी सफल होगें जब आप भी हमें सहयोग करेंगें। तथा निम्नलिखित समस्या के समाधान में हमारा साथ देगें। आई0एम0ई0 कालिजो में दो प्रकार के कोर्स संचालित है। पहले सामान्य श्रेणी के कोर्स– बी0ए0, बी0कॉम, एम0कॉम, बी0लिब0, एल0एल0बी0, एम0लिब0 दूसरे व्यवसायिक श्रेणी के कोर्स – एम0बी0ए0, एम0सी0ए0, बी0बी0ए0, बी0सी0ए0, बी0एस0सी0(कम्प्यूटर सांईस), बी0ए0एल0एल0बी, बी0कॉम0एल0एल0बी0,एम0आई0बी0।

समस्या:– आजकल विधार्थी अपने घर से कालिज के लिये निकलते हैं। कुछ कालिज पहुँचते ही नहीं। कुछ देर से पहुँचते हैं। कुछ पहुँचते तो हैं परन्तु कक्षाओं में सम्मलित नहीं होते। अनुभव के आधार पर प्रथम वर्ष में 70–80 प्रतिशत कक्षाओं में आते है। दूसरे वर्ष में घटकर 50–60 प्रतिशत रह जाते हैं और अन्तिम वर्ष में बामुश्किल 20–25 प्रतिशत रह जाते हैं। इनका पढ़ाई से अधिक समय दोस्तो के साथ गप–सप, सिनेमा, पार्को, घूमने में निकलता है। हमारी समस्या है कि परीक्षा में कम उपस्थिति पर इन्हें रोकते है तो सीधे माता–पिता का खर्च बढ़ता है। नहीं रोकते हैं तो ये आदत बना लेते है। कुछ कै तो माता–पिता ही कालिज आकर हमसे पूछते हैं "हमें पहले क्यों नहीं बताया कि उपस्थिति कम हैं" क्या यह सही है? नहीं।

परीक्षा में शामिल सभी होना चाहते हैं। परीक्षा में बैठने की मॉग करते हैं और हगांमा भी करते हैं। तैयारी बाजारू गाइड पढ़कर कर लेते हैं। कुछ फेल हो जाते है। कुछ की बैक आती है। इस प्रकार येन–प्रकेन 'डिग्री' प्राप्त कर लेते हैं। कुछ पढ़ते समय ही छोटी–मोटी नौकरी कर लेते है। ये टयूशन द्वारा/कोचिंग द्वारा भविष्य की राह तलाशते है। कुछ कामयाब भी होते है। परन्तु अधिक धन व समय वर्ष खर्च होते है। इसीलिये बेरोजगारों की सख्यॉ बढ़ती जा रही है।

सामान्य श्रेणी के कोंर्सो में तो ऐसे विधार्थी सरकार के ऊपर चपरासी, सिपाही, गार्ड, कलर्क की नौकरी तक के लिये निर्भर रहते है। परन्तु व्यवसायिक कोर्सो में अनुपस्थिति बहुत बड़ा नुकसान करती है। जो आपके व हमारे लिये असहनीय है।

विधार्थी को (1) अपने माता–पिता का धन का दुप्रयोग करने (2) शिक्षकों की मेहनत को त्यागने (3) अपना स्वयं का समय बर्बाद करने का कोई अधिकार होना ही नहीं चाहिये।

निष्कर्ष – कालिज, विश्वविधालय द्वारा निर्धारित 75 प्रतिशत से कम की उपस्थिति पर, परीक्षा फार्म को विश्वविधालय में, वास्तविक उपस्थिति दर्ज करके ही जमा करेगा। विश्वविधालय अपने स्तर से जो फैसला लेगा वही मान्य होगा और उसी के अनुसार कार्यवाही होगी। कालिज द्वारा जारी प्रमाण पत्र पर भी वास्तविक उपस्थिति दर्ज की जायेगीं।

यह पत्र कॉलिज की वैबसाईट पर भी डाला जा रहा है। आपको डाक द्वारा भी भेजा जा रहा है। आपको अपने वार्ड की जानकारी हेतु भी निमन्त्रित किया जा रहा है। आप इस ओर घ्यान दें कि अपने वार्ड का प्रतिदिन के कार्य की जानकारी आपको हो। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं तो आपकी इच्छा। उपस्थिति कम होने की स्थिति कें कालिज की किसी भी प्रकार की कोई भी जिम्मेदारी नहीं होगीं। कृपया नोट करें। धन्यवाद

भवदीय

वास्ते आईएमई ग्रुप ऑफ कालिजेज